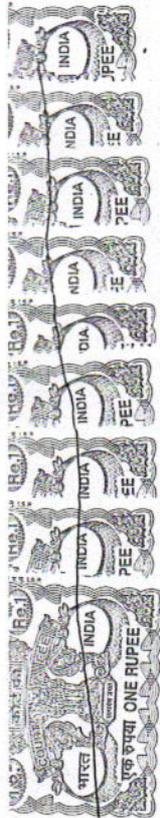
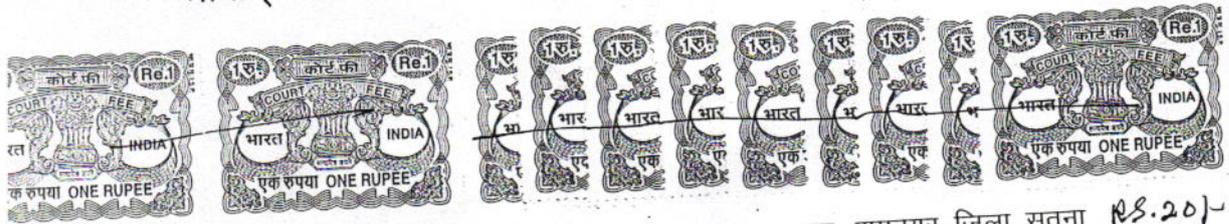


श्रीमान् राजस्व मंडल सदस्य महोदय ग्वालियर कैम्प रीवा म.प्र.

176



विश्वनाथ साहू तनय माधव साहू निवासी ग्राम बूढा बाउर तह. रामनगर जिला सतना म.प्र. RS.201-
.....निगरानीकर्ता

RS 2019-2016

बनाम्

सौरभ द्विवेदी पिता संतोष द्विवेदी निवासी बूढा बाउर तह. रामनगर जिला सतना म.प्र.
.....गैरनिगरानीकर्ता

श्री. आर. एल. साहू
द्वारा आज दिनांक 14-1-16
प्रस्तुत किया गया।
एड के
मिडर
सर्किट कोर्ट रीवा

निगरानी विरुद्ध आदेश तहसीलदार तह.
रामनगर जिला सतना म.प्र. रा.नि.मं. झिन्ना
का प्र.क. 07 अ - 12/14-15 आदेश
दिनांक 24.07.2015
निगरानी अंतर्गत धारा 50 म.प्र.भू.रा.सं.
1959 ई.

मान्यवर,

निगरानी के संक्षिप्त तथ्य निम्न हैं -

- 1- यह कि ग्राम बूढा बाऊर रा.नि.मं. झिन्ना तह. रामनगर जिला सतना म.प्र. की भूमि आराजी नं. 1417 एवं 1418 के भूमिस्वामी माधव साहू एवं जयराम साहू थे दोनों सगे भाई थे 1417 एवं 1418 दोनों आबादी निस्तार की भूमि है। माधव साहू की मृत्यु होने के बाद उनके वारिस पुत्र काशीनाथ साहू विश्वनाथ साहू तथा शोभनाथ साहू पिता के हिस्से की भूमि में माकान बनाकर आबाद हैं तथा 1/2 हिस्सा में जयराम साहू का माकान व निस्तार है। आराजी नं. 1417/1 का मालिक जयराम साहू तथा 1718/1 का मालिक जयराम साहू एवं 1417/2 एवं 1418/2 का मालिक काशीनाथ साहू तथा 1418/3 व 1417/3 का मालिक विश्वनाथ साहू निगरानीकर्ता एवं 1417/4 व 1418/4 का मालिक शोभनाथ साहू हैं जो मौके में उसी अनुसार आबाद हैं। जिनका बंटवारा हो चुका है लेकिन नक्शा तरमीम आज तक नहीं हुआ है। जबकि मौके में सभी भूमिस्वामी अपने - अपने हिस्से में आबाद है। काशीनाथ साहू द्वारा अपने हिस्से की भूमि 1417/2 रकबा 0.004 हे. एवं 1418/2 का अंश रकबा 0.012 हे. जो निगरानीकर्ता के भाई काशीनाथ साहू का हिस्सा था वह गैरनिगरानीकर्ता को

दिनांक 14/1/16

M

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक R-509/11/16..... जिला सतना.....

स्थान तथा दिनांक	विश्वनाथ साहू कार्यवाही तथा आदेश लौंगहिवादी	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
9. 8. 16	<p>यह सिगानी ग्राम रामनगर जिला सतना के प्रकरण नं/अ-12/14-15 में पारित आदेश दिनांक 24-7-15 के विकल्प प्रस्तुत किया गया है।</p> <p>प्रकरण में आवेक अधिवक्ता श्री आर.एस. साहू के द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया। उनके द्वारा सिगानी के संलग्न अभिलेखों की प्रमाणित प्रतियों के आधार पर निर्णय लेने का निवेदन किया गया।</p> <p>उपरोक्त प्रकरण के अवलोकन से पता चला कि आवेक अधिवक्ता द्वारा मुख्य रूप से इस बात पर जोर दिया गया है कि भूमि सर्वे क्रमांक 1417 एवं 1418 का खसरे में बंटोकर दो चुका है किन्तु नक्शा पर बंटोकर के अनुसार नक्शा तस्वीर नहीं हुई है। बिना नक्शा तस्वीर के सीमांकन की कार्यवाही को अस्वीकार मानते हुए सीमांकन प्राप्ति आदेश दिनांक 24-7-15 को निरस्त करने का निवेदन किया गया है। सिगानी में के संलग्न अभिलेखों की प्रमाणित प्रतियों का अवलोकन करने पर ऐसा कोई अभिलेख अवलोकित नहीं हुआ जिससे यह प्रकट हो सके कि नक्शा पर तस्वीर हुई है। वसुधैव कुटुम्बकम् के अवलोकन से यह तो स्पष्ट है कि विवादाधीन भूमियों का खसरे में बंटोकर अंकित है किन्तु नक्शा पर न्यायिक बंटोकर तस्वीर प्रकट नहीं है।</p>	

